(घ) क्या यह सच है कि एक शिक्षित प्रशिक्षित श्रमिक तथा अशिक्षित एवं अप्रशिक्षित श्रमिक की उत्पादकता में भारी अन्तर होता है; और

(ङ) यदि हां, तो उपर्युक्त प्रत्येक श्रेणी के श्रमिकों की उत्पादकता के संबंध में आकलन क्या है?

श्रम मंत्री (डा० सत्यनारायण जटिया): (क) जी, नहीं।

(ख) और (ग) राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन प्रत्येक पांच वर्ष में एक बार श्रम बल सर्वेक्षण करता है। इस तरह का अंतिम सर्वेक्षण जिसके परिणाम प्रकाशित किए जा चुके हैं, वर्ष 1993-94 से संबंधित है। सर्वेक्षण परिणामों के अनुसार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सामान्य रूप से रोजगार प्राप्त शैक्षिक संगठन निम्नलिखित थे:

(प्रतिशत में)

	ग्रामीण		शहरी	
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
अशिक्षित एवं प्राथमिक स्तर तक शिक्षित	73.8	93.7	44.5	66.8
मिडिल स्कूल एवं उससे ऊपर	26.2	6.3	55.5	33.2

(घ) और (ङ) सरकार को इस बात की जानकारी है कि शिक्षा एवं प्रशिक्षण के माध्यम से ज्ञान एवं कौशल उन्नयन का उत्पादकता पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है। कामगारों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए विभिन्न शैक्षिक/व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

Real wage of agricultural workers

854. DR. MANMOHAN SINGH: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the real wages of agricultural workers have experienced a severe setback due to abnormal increase in prices of essential commodities during the last seven months;

(b) if so, the impact on the proportion of people living below the poverty line; and

(c) the steps being considered by Government to protect the real wages of agricultural workers?

THE MINISTER OF LABOUR (DR. SATYANARAYAN JATIYA): (a) and (b) The Consumer Price Index for Agricultural Workers (1986-87 = 100) increased from 273 in April, 1998 to 304 in October, 1998. Information about the impact on real wages of agricultural workers, of the price rise, is not available and will be laid on the Table of the Rajya Sabha.

(c) Taking into account the increase in price level, the Prime Minister wrote to all the Chief Ministers of States/UTs on 21.8.98 to increase the floor level minimum wage from Rs. 35/- per day as fixed earlier, to Rs. 40/- per day.

Identification of Child Labour

855. SHRI ANANTA SETHI: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether Government have dentified the commercial establishments nd factories in different States who have employed child labour;